विश्व न्याय मन्दिर

बहाई विश्व केंद्र * पी.ओ. बॉक्स 155 * 3100101 हाइफा, इज़रायल

टेलिफोन: 972 (4) 835 8358 • ईमेल: secretariat@bwc.org

नवरोज़ 177

विश्व के बहाइयों को

परमप्रिय मित्रो,

वर्तमान घटनाओं से उत्प्रेरित होकर, हमें लगता है कि रिज़वान तक प्रतीक्षा न करके हम आपको इसी समय पत्र लिखें। जैसाकि आपको विदित होगा, हाल के सप्ताहों और महीनों में यह डरी-सहमी हुई दुनिया एक तेजी से फैलते हुए स्वास्थ्य-संकट से जूझती आ रही है जिससे अनेक देशों के लोग प्रभावित हो रहे हैं और समाज के लिए जिसके आगामी परिणामों का सुनिश्चित आकलन नहीं किया जा सकता। हमें पता है कि हमारी ही तरह आप ने भी मानवजाति की भलाई के प्रति गहरी चिंता महसूस की है, खास तौर पर उन लोगों के लिए जो अति संवेदनशील हैं। कभी भी यह बात इतने स्पष्ट रूप से उजागर नहीं हुई थी कि समाज की सामूहिक शक्ति उस एकता पर निर्भर है जिसे वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर से लेकर आधारभूत स्तर तक कार्यरूप में झलका सके, और हमें पता है कि सबके स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा के लिए इस सिलसिले में जो भी अत्यावश्यक प्रयास किए जा रहे हैं आप उनमें सहायता दे रहे हैं।

अपरिहार्य रूप से, वर्तमान स्थिति का प्रभाव अनेक जगहों पर प्रभुधर्म के प्रशासन पर भी पड़ेगा, और हर मामले में सम्बंधित राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा समुचित उपायों के बारे में सलाह देगी। कुछ देशों में, इसके अंतर्गत राष्ट्रीय सभा का चुनाव किन्हीं अन्य माध्यमों से किए जाने की व्यवस्था सहित राष्ट्रीय अधिवेशन को रद्द करना भी शामिल होगा। कुछ स्थानों पर स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के चुनाव के लिए भी इसी तरह की व्यवस्थाएं की जा सकती हैं। लेकिन ऐसी स्थितियों में जबकि यह भी संभव न हो सके तो इस साल इस बात की अनुमति होगी कि स्थानीय अथवा राष्ट्रीय सभा के वर्तमान सदस्य ही अगले प्रशासनिक वर्ष तक अपनी सेवाएं देना जारी रखें। स्वाभाविक बात है कि ऐसे किसी भी कदम के अनुमोदन पर विचार करने के क्रम में कोई भी राष्ट्रीय सभा आरंभिक चरण में ही सलाहकारों से परामर्श प्राप्त करेगी।

एक अन्य संकट के दौर में, अब्दुल-बहा ने परामर्श के ये शब्द कहे थे: “एक ऐसे समय में जबकि परीक्षाओं और संकटों की आंधियों ने दुनिया को घेर रखा है, और पृथ्वी के लोग डर से प्रकम्पित हो उठे हैं, तुम्हें चाहिए कि तुम प्रभासित मुखड़ों और प्रदीप्त ललाट के साथ दृढ़ता और अडिगता के क्षितिज के ऊपर इस तरह से उदित हो कि, ईश्वर की इच्छा से, डर और व्याकुलता का अंधकार पूरी तरह छंट जाए, और प्रकट क्षितिज पर आश्वस्ति के प्रकाश का उदय हो तथा वह अपनी प्रखर कांति के साथ जगमगा उठे।“ आज दुनिया को आशा और आत्मा की शक्ति की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है और यह शक्ति आस्था से प्राप्त होती है। प्रिय मित्रों, निस्संदेह आप लोगों के समूहों में एकता और बंधुता, ज्ञान और समझ, सामूहिक उपासना की भावना और मिलजुलकर किए गए प्रयास जैसे उन गुणों को पोषित करने के कार्य में लंबे समय से जुटे रहे हैं जिनकी आज जरूरत है। सचमुच, इन गुणों को सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रयासों से हम

मुग्ध हैं कि किस तरह उन्होंने समुदायों को खास तौर पर ऐसी परिस्थितियों से घिरे होने पर भी लोचपूर्ण बनाया है जिनके कारण उनके कार्यकलापों को ही सीमित हो जाना पड़े। स्वयं को नई परिस्थितियों में ढालने की नौबत आने के बावजूद, धर्मानुयायियों ने बंधुता के बन्धनों को मजबूत बनाने, और स्वयं अपने एवं अपने परिचितों के बीच आध्यात्मिक जागरूकता के साथ शांतचित्तता, आत्मविश्वास एवं ईश्वर पर आश्रित होने जैसे गुणों के पोषण के लिए रचनात्मक तरीकों का इस्तेमाल किया है। इससे जो उन्नत स्तर के संवाद प्रतिफलित हुए हैं, चाहे व्यक्तिगत स्तर पर या दूरस्थ रूप से, वे अनेकों के लिए सांत्वना और प्रेरणा के स्रोत साबित हुए हैं। वर्तमान समय में, जबकि अनेक लोग असमंजस और निराशा से घिरे हैं और जिन्हें पता नहीं कि क्या होने वाला है, आपकी ओर से किए गए इस तरह के प्रयास एक मूल्यवान सेवा दे रहे हैं। अभी स्थितियां चाहे जितनी भी कठिन हों, और समाज के कुछ तबके के लोग अपनी सहनशक्ति की सीमा के चाहे जितने करीब हों, मानवजाति अंततः इस अग्नि-परीक्षा को पार कर लेगी और पहले से बेहतर अंतर्दृष्टि एवं अपनी अंतर्निहित एकता एवं अंतर्निर्भरता के ज्यादा गहन बोध के साथ उसका उस छोर पर अभ्युदय होगा।

यह पिछले वर्ष के दौरान बहाई विश्व द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने की घड़ी नहीं है, और न ही पूरे विश्व में समुदाय-निर्माण सम्बंधी कार्यकलापों की संख्या में वृद्धि एवं विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने के क्षेत्र में हुई असाधारण प्रगति के बारे में बताने की। जहां कहीं भी अनुकूल परिस्थितियां मौजूद हैं ये काम उत्साहपूर्वक जारी हैं। इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि वर्तमान 'योजना' के इस चौथे वर्ष में, प्रभुधर्म के अथक सहायकों ने बहाउल्लाह के धर्म को इतिहास की अबतक की सुदृढ़तम स्थिति में ला दिया है। आपने जो कुछ भी किया है और कर रहे हैं उससे विश्वव्यापी बहाई समुदाय 'दिव्य योजना' के प्रकटण के अगले चरण के लिए तैयार हो रहा है।

इस क्षण हमारे विचार और हमारी प्रार्थनाएं ईश्वर के सखाओं और आप जिन लोगों के बीच निवास करते हैं उन सबके स्वास्थ्य और कल्याण पर संकेन्द्रित हैं। साथ ही हम भाव-प्रवणता के साथ यह भी प्रार्थना करते हैं कि सर्वशक्तिमान परमात्मा आपको आश्वस्ति, शक्ति और सुदृढ़ चेतना का वरदान दे। आपका दिलो-दिमाग आप जिन समुदायों के बीच निवास करते हैं उनकी आवश्यकताओं, आपके समाज की स्थितियों और समस्त मानव-परिवार के कल्याण की ओर उन्मुख हो जिनके लिए आप सब भाई-बहन के समान हैं। और अपने इन एकान्त क्षणों में जबकि प्रार्थना के सिवा और कुछ भी करना संभव प्रतीत न होता हो, हम आपको आमंत्रित करते हैं कि अपनी प्रार्थनाओं को हमारी प्रार्थनाओं में शामिल कर लें और कष्टों से उद्धार के लिए उत्कंठ प्रार्थना करें। हम अब्दुल-बहा के इन शब्दों की ओर उन्मुख होते हैं जिनका सम्पूर्ण जीवन दूसरों की भलाई के प्रति निःस्वार्थ प्रतिबद्धता का एक आदर्श था:

हे विधाता! अपनी सत्कृपा प्राप्त करने में इन नेक मित्रों को सहायता दे, और उन्हें अजनबी जनों और मित्रों दोनों के समान रूप से शुभचिंतक बना। उन्हें उस संसार की ओर ला जो अविनाशी है, उन्हें स्वर्गिक कृपा का अंशदान प्रदान कर, उन्हें सच्चे बहाई बना, और ईश्वर के प्रति निष्ठावान। उन्हें बाहरी समरूपताओं से बचा और उन्हें अडिगतापूर्वक सत्य में संस्थापित कर। उन्हें अपने साम्राज्य के चिह्न और संकेत, और इस निम्नस्थ जीवन के क्षितिजों के ऊपर चमकते सितारे बना। उन्हें मानवजाति के लिए सांत्वना और विश्व-शांति के सेवक बना।

विश्व न्याय मन्दिर